सोशल बॉन्ड के सिद्धांत 2018

सोशल बॉन्ड्स जारी करने के लिए स्वैच्छिक प्रक्रिया दिशानिर्देश

जून 2018

परिचय

सोशल बॉन्ड मार्केट का लक्ष्य है प्रमुख भूमिका का विकास और क्रियान्वयन करना जो प्रोजेक्ट्स की फंडिंग में डेब्ट मार्केट निभा सकते हैं जो वैश्विक चुनौतियों का समाधान करते हैं. सोशल बॉन्ड्स सकारात्मक सामाजिक परिणामों से युक्त नए और मौजूदा प्रोजेक्ट्स के लिए धन खडा करते हैं. सोशल बॉन्ड प्रिंसिपल्स (एसबीपी) दिशानिर्देशों के जरिए सोशल बॉन्ड मार्केट में सत्यनिष्ठा को बढावा देते हैं जो पारदर्शिता, प्रकटीकरण और प्रतिवेदन करने की सिफारिश करता है. इनका उपयोग मार्केट प्रतिभागियों द्वारा किया जाना चाहिए और ये बिना किसी आर्बिटर के सामाजिक परियोजनाओं में पूँजी का आबंटन बढाने के लिए जरूरी जानकारी प्रदान करने के लिए रचा गया है.

एसबीपी से जुडा इशुएंस पारदर्शी सामाजिक विश्वसनीयताओं के साथ निवेश का मौका प्रदान करना चाहिए. यह सिफारिश करते हुए कि सोशल बॉन्ड की धनराशियों के उपयोग पर इशुअर की रिपोर्ट करते हुए, एसबीपी पारदर्शिता में एक कदम का बदलाव करता है जो सामाजिक प्रकल्पों में इन पर निगाह रखता है साथ ही अपने इच्छित प्रभाव की जानकारी को सुधारने का लक्ष्य रखता है. एसबीपी पात्र सामाजिक प्रोजेक्ट्स के लिए ऊंचे स्तर की श्रेणियाँ प्रदान करता है और विविधतापूर्ण नजरिए और सामाजिक मामलों तथा परिणामों को समझने में जारी विकास को मान्यता देता है.

एसबीपी ग्रीन बॉन्ड प्रिंसिपल्स और सोशल बॉन्ड प्रिंसिपल्स (जिन्हें सिद्धांत कहा जाता है) के सदस्यों और पर्यवेक्षकों और हितधारकों के व्यापक समुदाय के योगदानों पर आधारित सामूहिक तथा सलाहात्मक स्वरूप के हैं. सिद्धांतों का समन्वय कार्यकारी समिति द्वारा किया जाता है. उन्हें वर्ष में एक बार अद्यतनीकृत किया जाता है ताकि वैश्विक सामाजिक बॉन्ड मार्केट का विकास और वृद्धि उसमें प्रतिबिंबित हो.

सिद्धांतों तथा सोशल बॉन्ड वर्किंग ग्रुप (एसबीडब्ल्यूजी) के सदस्य और पर्यवेशकों की 2017 ऑटमन सलाह का लाभ एसबीपी के 2018 संस्करण को मिला है. इस संस्करण में शामिल है लक्ष्य जनसंख्या की व्याख्या पर अधिक स्पष्टीकरण. यह बाह्य समीक्षाओं के लिए अतिरिक्त मार्गदर्शन और अद्यतनीकृत व्याख्याओं का प्रतिबिंब दिखाता है जो अलग से जारी 'हरित, सामाजिक और सातत्यपूर्ण बॉन्ड बाह्य समीक्षाओं के लिए दिशानिर्देशों' में निहित हैं जो कि बाह्य समीक्षकों के निकट सहयोग से निर्मित थे. संशोधित पाठ में सामग्री के विकास की समय पर रिपोर्टिंग को भी प्रमुखता दी गई है.

सोशल बॉन्ड की व्याख्या

सोशल बॉन्ड्स किसी भी प्रकार का बॉन्ड इंस्ट्रूमेंट है जहां पर धनराशि का खासतौर से उपयोग पूरी तरह से नए और/या मौजूदा पात्र सामाजिक प्रोजेक्ट (धनराशियों का उपायोग विभाग 1 देखें) के वित्तपोषण या पुन:वित्तपोषण के लिए किया जाएगा और जिन्हें एसबीपी के चार प्रमुख घटकों के साथ समन्वित किया जाता है. बाजार में अलग अलग प्रकार के सोशल बॉन्ड्स मौजूद हैं. इनका वर्णन परिशिष्ट। में किया गया है.

यह समझा गया है कि कुछ सामाजिक परियोजनाएं पर्यावरण के लिए लाभकारी भी हो सकती हैं और यह कि धनराशियों के बॉन्ड का वर्गीकरण सोशल बॉन्ड के रूप में जारीकर्ता द्वारा निर्धारित किया जाना चाहिए जो अंतर्निहित प्रोजेक्ट के प्राथमिक उद्देश्यों पर आधारित होता है. (जो बॉन्ड्स जानबूझकर हरित और सामाजिक प्रकल्पों का मेल करते हैं उन्हें सस्टेनेबिलिटी बॉन्ड्स के रूप में जाना जाता है, और इनके लिए विशिष्ट दिशानिर्देश सस्टेनेबिलिटी बॉन्ड दिशानिर्देशों में अलग से दिए गए हैं).

यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि सोशल बॉन्ड्स को उन बॉन्ड्स के अनुरूप व्यावहारिक नहीं माना जाता जो एसबीपी के चार मुख्य घटकों के साथ मेल नहीं खाते हैं. 2016 में जारी पहलेवाले सोशल बॉन्ड दिशानिर्देश के तहत जारी बॉन्ड्स एसबीपी के अनुसार माने जाते हैं.

सोशल बॉन्ड के सिद्धांत

एसबीपी एक स्वैच्छिक प्रक्रिया वाले दिशानिर्देश हैं जो पारदर्शिता और प्रकटीकरण की सिफारिश करते हैं और सोशल बॉन्ड को जारी करने के लिए नजरिए का स्पष्टीकरण करते हुए सोशल बॉन्ड मार्केट के विकास में सत्यनिष्ठा को बढावा देते हैं. एसबीपी बाजार द्वारा व्यापक उपयोग के लिए होते हैं: वे जारीकर्ताओं को एक विश्वसनीय सामाजिक बॉन्ड लॉन्च करने में शामिल मुख्य घटकों पर दिशानिर्देश देते हैं; वे निवेशकों को उनके सोशल बॉन्ड निवेशों के सकारात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक जानकारी की उपलब्धता को बढावा देकर निवेशकों की मदद करते हैं; और वे व्यवहार को सुगम बनानेवाले प्रकटीकरणों की दिशा में बाजार को ले जाते हुए अंडरराइटर्स की मदद करते हैं.

एसबीपी जारीकर्ताओं के लिए स्पष्ट प्रक्रिया और प्रकटीकरण की सिफारिश करती है जिसका उपयोग निवेशक, बैंक, अंडरराइटर्स, प्लेसमेंट एजेंट्स और अन्य लोग किसी भी दिए गए सोशल बॉन्ड के लक्षण को समझने के लिए कर सकते हैं. एसबीपी आवश्यक पारदर्शिता, सटीकता और जानकारी सत्यनिष्ठा पर बल देता है जो जारीकर्ताओं द्वारा हितधारकों के सामने प्रकट और प्रतिवेदित किए जाते हैं.

एसबीपी में चार मुख्य घटक हैं:

1. धनराशि का उपयोग
2. प्रोजेक्ट मूल्यांकन और चयन की प्रक्रिया
3. धनराशियों का प्रबंधन
4. रिपोर्टिंग

1. धनराशि का उपयोग

सोशल बॉन्ड की मूलबात है सामाजिक प्रकल्पों के लिए बॉन्ड की धनराशि का उपयोग करना जिसका सुरक्षा के लिए कानूनी दस्तावेज में उपयुक्त ढंग से वर्णन किया जाना चाहिए. सभी निर्धारित सोशल प्रोजेक्ट्स से स्पष्ट सामाजिक फायदे मिलने चाहिए, जिसका आकलन जारीकर्ता द्वारा किया जाएगा और जहां व्यावहारिक हो परिमाण मापा जाएगा.

यदि सभी या धनराशि का एक हिस्सा रिफांनांसिंग के लिए उपयोग में लाया जाता है या लाया जा सकता है तो यह सुझाव दिया जाता है कि जारीकर्ता फायनांसिंग बनाम रिफायनांसिंग के हिस्से का अनुमान प्रदान करे और जहां उचित हो, यह भी स्पष्ट करे कि किन निवेशों या प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो को रिफायनांस करने की जरूरत है और किस सीमा तक यह तार्किक है, तथा रिफायनांस किए गए सोशल प्रोजेक्ट की अपेक्षित लुक-बैक अवधि.

सामाजिक प्रकल्प सीधे विशिष्ट सामाजिक मामले को समाधान करने या उसे सीमित करने का लक्ष्य रखता है और /या खासकर सकारात्मक सामाजिक परिणाम पाने की इच्छा रखता है लेकिन यह लक्ष्य जनसंख्या के लिए खासतौर से नहीं होता. दुविधा को दूर करने के लिए यह पुष्टि की जाती है कि लक्ष्य जनसंख्या की व्याख्या स्थानीय परिप्रेक्ष्य के अनुसार अलग अलग हो सकती है, और वह भी कुछ मामलों में ऐसी लक्ष्य जनसंख्या सार्वजनिक मामलों का समाधान भी कर सकती है. कृपया सोशल प्रोजेक्ट श्रेणियों का उदाहरण नीचे देखें जो लक्ष्य जनसंख्या के लिए सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक परिणाम लाना चाहते हैं.

नीचे दी गई प्रोजेक्ट श्रेणियों की सूची यूं तो सांकेतिक है लेकिन सोशल बॉन्ड मार्केट द्वारा समर्थित या अपेक्षित प्रकल्पों के प्रकारों को सामने रखती है. सामाजिक प्रकल्पों में शामिल हैं अन्य संबंधित और सहायक खर्च जैसे कि अनुसंधान एवं विकास और ये एक से अधिक श्रेणी से संबंधित हो सकता हैं.

सामाजिक प्रकल्प की श्रेणियों में शामिल हैं निम्नलिखित बातें प्रदान करना और/या बढावा देना लेकिन जो यहीं तक सीमित नहीं है:

- किफायती मूलभूत ढाँचागत सुविधा (उदा. साफ पेय जल, निकासी, सैनिटेशन, परिवहन, ऊर्जा)
- आवश्यक सेवाओं तक पहुँच (उदा. स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य देखभाल, वित्तपोषण और वित्तीय सेवाएं)
- किफायती गृह निर्माण
- रोजगार निर्माण जिसमें शामिल है एसएमई वित्तपोषण और सूक्ष्म वित्तपोषण के संभावित प्रभाव के जरिए.
- खाद्य सुरक्षा
- सामाजिक आर्थिक उन्नति और सक्षमीकरण

लक्ष्य जनसंख्या के उदाहरण जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं लेकिन जो यहीं तक सीमित नहीं है:

1. गरीबी रेखा से नीचे रहनेवाले

2. वंचित और/या गरीब जनसंख्या और/या समुदाय
3. संवेदनशील समूह, जिसमें प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोग शामिल हैं
4. अक्षमताओं वाले लोग
5. स्थलांतरित और/या शरणार्थी लोग
6. कम शिक्षित
7. सेवा से वंचित, आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं तक गुणवत्तापूर्ण पहुंच के अभाव के चलते
8. बेरोजगार

बाजार में पहले से मौजूद सामाजिक परियोजनाओं की व्याख्या करनेवाली विभिन्न श्रेणियां और मानकों के सेट हैं जिनका उपयोग सौजन्यतापूर्ण दिशानिर्देश के लिए किया जा सकता है. जारीकर्ता और अन्य हितधारक रिसोर्स सेंटर https://www.icmagroup.org/green-social-and-sustainability-bonds/resource-centre/ पर सूचीबद्ध लिंक्स के जरिए उदाहरण देख सकते हैं.

2. प्रोजेक्ट मूल्यांकन और चयन की प्रक्रिया

सोशल बॉन्ड के जारीकर्ता को साफ तौर पर निवेशकों को यह बताना चाहिए:

- सामाजिक उद्देश्य;
- प्रक्रिया जिसके द्वारा जारीकर्ता निर्धारित करता है कि ऊपर चिन्हित योग्य सोशल प्रोजेक्ट की श्रेणियों में प्रोजेक्ट कैसे बैठता है;
- संबंधित योग्यता मानक, जिसमें शामिल है, यदि लागू हो, अपवर्जन के मानक या कोई अन्य प्रक्रिया जो प्रोजेक्ट के साथ जुडे वस्तुनिष्ठ सामाजिक और पर्यावरणीय जोखिमों को पहचानने और प्रबंधित करने के लिए लागू की जाती है.

जारीकर्ताओं को सामाजिक स्थायित्व से संबंधित अपने उद्देश्यों, रणनीति, नीति और/या प्रक्रियाओं के परिप्रेक्ष्य में इस जानकारी पर अपनी स्थिति लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है. जारीकर्ताओं को प्रोजेक्ट चयन के संदर्भ में किन्हीं सोशल मानकों या प्रमाणनों को प्रकट करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है.

एसबीपी पारदर्शिता के ऊँचे स्तर को बढावा देता है और परामर्श देता है कि प्रोजेक्ट के मूल्यांकन व चयन के लिए जारीकर्ता की प्रक्रिया को बाह्य समीक्षा का आधार होना चाहिए (देखें बाहरी समीक्षा विभाग).

3. धनराशि का प्रबंधन

सोशल बॉन्ड की शुद्ध धनराशि या इन शुद्ध राशियों के बराबर धनराशि, सब अकाउंट में जमा कराया जाना चाहिए, सब-पोर्टफोलियो में डाला जाना चाहिए या अन्यथा जारीकर्ता द्वारा उपयुक्त तरीके से निगरानी में रखना चाहिए और सोशल प्रोजेक्ट के लिए जारीकर्ता की कर्ज देने और निवेश प्रचालनों से जुडी औपचारिक आंतरिक प्रक्रिया में जारीकर्ता द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए.

सोशल बॉन्ड असाधारण रहा है इसीलिए निगरानी के तहत शुद्ध राशियों का संतुलन उस अवधि के दौरान किए गए योग्य सोशल प्रोजेक्टों में आबंटनों से मेल कराने के लिए समायोजित किया जाना चाहिए. जारीकर्ता को निवेशकों को अनाबंटित शुद्ध धनराशियों की शेष राशि के लिए अस्थायी प्रतिस्थापन के इच्छित प्रकार से अवगत कराना चाहिए.

एसबीपी पारदर्शिता के ऊँचे स्तर को बढावा देता है और परामर्श देता है कि जारीकर्ता द्वारा धनराशि के प्रबंधन को ऑडिटर या तीसरे पक्ष के उपयोग का आधार होना चाहिए ताकि अंतर्गत निगरानी पद्धति का सत्यापन किया जा सके और सोशल बॉन्ड की धनराशियों से फंड के आबंटन पर निगाह रखी जा सके (देखें बाहरी समीक्षा विभाग).

4. रिपोर्टिंग

जारीकर्ता को धन के उपयोग पर नवीनतम जानकारी उपलब्ध और तैयार रखनी चाहिए जिसे पूर्ण आबंटन तक वार्षिक रूप से और मटीरियल डेवलपमेंट के मामले में सामयिक आधार पर नवीनीकृत किया जाता है. वार्षिक रिपोर्ट में प्रोजक्टों की सूची शामिल होनी चाहिए जिसके लिए सोशल बॉन्ड की धनराशि आबंटित की गई है, और प्रोजेक्ट तथा आबंटित राशि का संक्षिप्त वर्णन तथा उसका अपेक्षित प्रभाव शामिल होना चाहिए. जहाँ पर गोपनीयता के समझौते, प्रतिस्पर्धात्मक विचारों या अंतर्निहित प्रोजेक्टों की विशाल संख्या विवरणों के परिमाण को सीमित कर देती है जिसे कि उपलब्ध कराया जा सकता है., एसबीपी का परामर्श है कि मूल शब्दावलियों में जानकारी प्रस्तुत की जाती है या फिर समेकित पोर्टफोलियो आधार पर दी जाती है (उदाहरण के लिए किसी प्रोजेक्ट श्रेणी पर आबंटित प्रतिशत).

पारदर्शिता प्रोजेक्टों के अपेक्षित प्रभाव की जानकारी देने में निहित मूल्य है. एसबीपी गुणवत्तापूर्ण कार्यनिष्पादन के संकेतकों के उपयोग का परामर्श देता है और जहाँ पर व्यवहार्य हो, वहां पर मात्रात्मक कार्यनिष्पाद के उपायों (उदा. लाभार्थियों की संख्या, विशेष रुप से आबादी का लक्ष्य इ.) और अंतर्निहित पद्धति और/या मात्रात्मक निर्धारण में प्रयुक्त मानी गई बातों का प्रकटीकरण. हासिल किए गए प्रभावों की निगरानी करने के लिए क्षमता रखनेवाले जारीकर्ताओं को अपनी नियमित रिपोर्टिंग में उन्हें शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है.

प्रभाव प्रतिवेदन के लिए समन्वित रूपरेखा का लक्ष्य रखते हुए स्वैच्छिक दिशानिर्देश सामाजिक प्रकल्पों के लिए विद्यमान हैं (मार्गदर्शन के दस्तावेजों https://www.icmagroup.org/green-social-and-sustainability-bonds/resource-centre/पर रिसोर्स सेंटर में देखें.) दिशानिर्देशों में शामिल है किसी प्रकल्प पर प्रभाव के प्रतिवेदन के प्रारूप का नमूना और पोर्टफोलियो के स्तर पर कि जारीकर्ता अपनी परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलन कर सकता है. एसबीपी आगे भी उपक्रमों के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि प्रभाव प्रतिवेदन के लिए अतिरिक्त संदर्भ स्थापित करने में मदद मिले जिसे अन्य लोग अपना सकें और/या अपनी जरूरतों के अनुसार ढाल सकें.

सोशल बॉन्ड या सोशल बॉन्ड प्रोग्राम के मुख्य लक्षण प्रदर्शित करनेवाले सारांश का उपयोग और एसबीपी के चार प्रमुख घटकों के साथ एक रूपता बिठानेवाली मुख्य खूबियाँ को बतानेवाले सारांश से बाजार के प्रतिभागियों को सूचित करने में मदद मिल सकती है. इस हेतु से https://www.icmagroup.org/green-social-and-sustainability-bonds/resource-centre/ पर एक नमूना उपलब्ध कराया गया है जो उसी लिंक पर दिए निर्देशों का पालन करते हुए एक बार पूर्ण किए जाने पर बाजार की जानकारी के लिए ऑनलाइन प्रकाशित किया जा सकता है

बाह्य नजरिया

यह परामर्श दिया जाता है कि सोशल बॉन्ड या कार्यक्रम जारी करने के संबंध में जारीकर्ता यह सुनिश्चित करने के लिए बाह्य समीक्षा प्रदाताओं की नियुक्ति करता है कि उनके बॉन्ड्स उपरोक्त व्याख्या के अनुसार एसबीपी के चार मुख्य घटकों के अनुरूप हैं. जारीकर्ताओं के लिए अपने सोशल बॉन्ड प्रक्रिया के लिए जानकारी पाने के लिए अनेक प्रकार के तरीके हैं और यहाँ पर समीक्षा के अनेक स्तर हैं और प्रकार हैं जो बाजार को प्रदान किए जा सकते हैं:

जारीकर्ता सामाजिक मामलों या अन्य सोशल बॉन्ड जारी करने के पहलुओं में प्रमाणित कुशलता रखनेवाले सलाहकारों और/या संस्थानों से सलाह ले सकता है. इसमें जारीकर्ता का सामाजिक बॉन्ड रुपरेखा या सोशल बॉन्ड जारीकर्ता का प्रतिवेदन जैसे क्षेत्र शामिल हो सकते हैं. सलाहकार या एड्वाइजरी सेवाओं में जारीकर्ता के गडजोड होता है और यह स्वतंत्र बाह्य समीक्षा से भिन्न होता है. एसबीपी सोशल बॉन्ड या सोशल बॉन्ड प्रोग्राम, जहां लागू हो, के साथ जुडी आस्तियों या गतिविधियों के प्रकारों की सामाजिक खूबियों की स्वतंत्र समीक्षा को प्रोत्साहन देता है.

स्वतंत्र बाह्य समीक्षाएँ व्याप्ति में भिन्न हो सकती हैं और ये सोशल बॉन्ड रूपरेखा/ कार्यक्रम, एक वैयक्तिक सोशल बॉन्ड इशू, अंतर्निहित आस्तियों और/या प्रक्रियाओं का प्रयोजन पूरा कर सकती हैं. इनका विभाजन मोटे तौर पर निम्नलिखित प्रकारों में किया गया है, जिसमें कुछ प्रदाता एक से अधिक प्रकार की सेवा अलग से या संयुक्त रूप से प्रदान करते हैं.

1. **सेकंड पार्टी ओपिनियन (दूसरे पक्ष की राय):** जारीकर्ता से स्वतंत्र सामाजिक कुशलता रखनेवाला एक संस्थान दूसरे पक्ष की राय जारी कर सकता है. संस्थान को सोशल बॉन्ड फ्रेमवर्क, या उपयुक्त प्रक्रियाओं जैसे जानकारी के अवरोधों के लिए जारीकर्ता के सलाहकार से भिन्न होना चाहिए, जिसे संस्थान के अंदर यह सुनिश्चित करने के लिए क्रियान्वित किया जाएगा कि दुसरे पक्ष की राय स्वतंत्र हो. इसमें सामान्य रूप से सोशल बॉन्ड सिद्धांतों के साथ तालमेल का आकलन शामिल है. विशेष रूप से, इसमें जारीकर्ता के सामाजिक सस्टेनेबिलिटी से जुडे उद्दश्यों , रणनीति, नीति और/या प्रक्रियाओं का आकलन शामिल है, और साथ ही धनराशि के उपयोग के लिए अपेक्षित प्रोजेक्ट के प्रकार की सामाजिक खूबियों का मूल्यांकन शामिल है.
2. **सत्यापन:** जारीकर्ता व्यवसाय की प्रक्रियाओं और/या सामाजिक मापदंड से जुडे मानकों के निर्धारित संच के प्रति स्वतंत्र प्रमाणन प्राप्त कर सकता है. सत्यापन अंतर्गत या बाह्य मानकों या जारीकर्ता द्वारा किए गए दावों के साथ तालमेल पर ध्यान देता है. अंतर्निहित आस्तियों की सामाजिक रूप से स्थायी खूबियों का मूल्यांकन भी सत्यापन कहा जा सकता है और यह बाह्य मापदंडों के संदर्भ में हो सकता है. धनराशियों के उपयोग, सामाजिक बॉन्ड की धनराशियों से निधि का आबंटन, सामाजिक प्रभाव का कथन या एसबीपी के साथ प्रतिवेदन के साथ तालमेल रखने के लिए जारीकर्ता की आंतरिक निगरानी पद्धति के बारे में आश्वासन या सत्यापन को प्रमाणन भी कहा जा सकता है.
3. **प्रमाणन:** जारीकर्ता किसी मान्य बाह्य सामाजिक मानक या लेबल के प्रति सोशल बॉन्ड या संबंधित सोशल बॉन्ड रूपरेखा या धनराशि के उपयोग को संपन्न कर सकता है. मानक या लेबल विशिष्ट मानक की व्याख्या करता है और ऐसे मानक के साथ तालमेल को योग्यताप्राप्त, स्वीकृत तृतीय पक्ष द्वारा परखा जाता है, जो प्रमाणन के मानक के साथ सातत्य का सत्यापन कर सकता है.

4. **सोशल बॉन्ड स्कोरिंग/रेटिंग:** कोई जारीकर्ता स्थापित स्कोरिंग/रेटिंग पद्धति के अनुसार विशेष अनुसंधान प्रदाताओं या रेटिंग एजेंसियों जैसे पात्र तीसरे पक्ष द्वारा अपने सोशल बॉन्ड, असोसिएटेड सोशल बॉन्ड रूपरेखा या मुख्य खूबी जैसे धनराशि के उपयोग का मूल्यांकन या आकलन करवा सकता है. इस परिणाम में शामिल हो सकते हैं सामाजिक प्रदर्शन डाटा, एसबीपी से संबंधित प्रक्रिया, या अन्य बेंचमार्क पर ध्यान देना. ऐसी स्कोरिंग/ रेटिंग क्रेडिट रेटिंग से अलग होती है जो शायद वस्तुनिष्ठ सामाजिक जोखिमों को प्रतिबिंबित शायद न करे.

बाह्य समीक्षा आंशिक हो सकती है जो केवल जारीकर्ता के सोशल बॉन्ड या एसोसिएटेड सोशल बॉन्ड रूपरेखा को शामिल कर सकती है, या पूर्ण हो सकती है जिसमें सभी चार मुख्य एसबीपी घटकों का समावेश हो सकता है. एसबीपी ध्यान में लेती है कि बाह्य समीक्षा का समय समीक्षा के स्वरूप पर निर्भर हो सकता है और समीक्षाओं का प्रकाशन व्यवसाय गोपनीयता की जरूरतों द्वारा सीमित हो सकता है.

एसबीपी बाह्य समीक्षाओं के लिए सार्वजनिक प्रकटीकरण तथा रिसोर्स सेंटर पर https://www.icmagroup.org/green-social-and-sustainability-bonds/resource-centre/ पर उपलब्ध बाहय समीक्षाओं को संपन्न करने के लिए प्रारूप का उपयोग करने की सलाह देता है. बाह्य समीक्षकों को बाह्य रिव्यू सर्विस मैपिंग टेम्पलेट भरने के लिए बढावा दिया जाता है जो आईसीएमए की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा.

एसबीपी बाह्य समीक्षा प्रदाताओं को अपनी विश्वसनीयता तथा संबंधित कौशल को प्रकट करने के लिए प्रोत्साहित करता है और संचालित की गई समीक्षा की व्याप्ति को स्पष्ट रूप से सूचित करता है. श्रेष्ठ पद्धति को प्रोत्साहित करने के लिए एसबीपी द्वारा बाह्य समीक्षाओं के लिए स्वैच्छिक दिशानिर्देश विकसित किए हैं. ये दिशानिर्देश बाजार आधारित उपक्रम हैं जो जारीकर्ताओं, अंडरराइटर्स, अन्य हितधारकों और स्वयं बाह्य समीक्षकों के लिए बाह्य समीक्षा प्रक्रियाओं पर जानकारी और पारदर्शिता प्रदान करता है.

रिसोर्स सेंटर

सुझाए गए प्रारूप और अन्य एसबीपी संसाधन रिसोर्स सेंटर पर https://www.icmagroup.org/green-social-and-sustainability-bonds/resource-centre/. पर उपलब्ध कराए गए हैं. पूर्ण किए गए टेम्पलेट्स को ऊपर दिए गए लिंक पर निर्देशों का पालन करते हुए बाजार की जानकारी के लिए रिसोर्स सेंटर पर प्रकाशित किया जा सकता है.

अस्वीकृति

सोशल बॉन्ड सिद्धांत स्वैच्छिक प्रक्रिया के दिशानिर्देश हैं जो न तो सिक्योरिटीज खरीदने या बेचने के लिए कोई प्रस्ताव हैं न ही यह सोशल बॉन्ड्स या किसी अन्य सिक्योरिटी के संदर्भ में किसी प्रकार (कर, कानूनी, पर्यावरणीय, अकाउंटिंग या विनियामक) की सलाह है. सोशल बॉन्ड प्रिंसिपल्स किसी भी व्यक्ति, सार्वजनिक या निजी रूप से कोई अधिकार या देयता निर्मित नहीं करते. जारीकर्ता स्वैच्छिक रूप से और स्वतंत्र रूप से सोशल बॉन्ड सिद्धांत को अपनाता और

क्रियान्वित करता है, वह भी सोशल बॉन्ड सिद्धांतों पर निर्भर रहे बिना, और वे सोशल बॉन्ड जारी करने के निर्णय के लिए केवल जिम्मेदार होते हैं. यदि जारीकर्ता सोशल बॉन्ड्स के प्रति अपनी वचनबद्धता का पालन नहीं करता है तो सोशल बॉन्ड्स के अंडरराइटर्स जिम्मेदार नहीं हैं. यदि किसी लागू कानून, नियम और विनियम तथा सोशल बॉन्ड प्रिंसिपल्स में रखे गए दिशानिर्देशों के बीच कोई मतभेद होता है तो स्थानीय कानून, नियम और विनियम वरेण्य होंगे.

परिशिष्ट ।
सोशल बॉन्ड्स के प्रकार

सोशल बॉन्ड्स वर्तमान में चार प्रकार के हैं (बाजार का विकास होने पर अतिरिक्त प्रकार उभर सकते हैं और इन्हें वार्षिक एसबीपी की जानकारियों में शामिल किया जाएगा):

- **धनराशि के बॉन्ड का मानक सामाजिक उपयोग:** जारीकर्ता के लिए डेब्ट की बाध्यता का मानक उपाय एसबीपी से तालमेल के साथ होता है.

- **सोशल रेवेन्यू बॉन्ड:** जारीकर्ता के डेब्ट की बाध्यता का नॉन रिकोर्स एसबीपी के साथ समन्वित जिसमें बॉन्ड में क्रेडिट एक्सपोजर को रेवेन्यू स्ट्रीम्स, फीस, टैक्स इ. के नकद प्रवाह में रखा जाता है, और जिसके धन का उपयोग संबंधित या असंबंधित सोशल प्रोजेक्ट के लिए जाता है.

- **सोशल प्रोजेक्ट बॉन्ड:** एकल या बहुविध सोशल प्रोजेक्ट के लिए प्रोजेक्ट बॉन्ड जिसके लिए निवेशक का संपर्क जारीकर्ता से संभावित रिकोर्स के साथ या बिना प्रोजेक्ट के जोखिम से होता है, और यह एसबीपी के साथ समन्वित होता है.

- **सोशल सिक्योरिटाइज्ड और कवर बॉन्ड:** एक या अधिक विशिष्ट सोशल प्रोजेक्ट द्वारा कोलैटरलाइज्ड बॉन्ड जिसमें हैं कवर्ड बॉन्ड्स, एबीएस, एमबीएस, और अन्य संरचनाएँ; और एसबीपी के साथ संयोजित लेकिन जो यही तक सीमित नहीं है. पुनर्भुगतान का पहला स्रोत सामान्य रूप से आस्तियों का नकद प्रवाह है. इस प्रकार का बॉन्ड सोशल हाउसिंग, अस्पतालों, स्कुलों द्वारा समर्थित कवर्ड बॉन्ड्स हैं.

टिप्पणी:

यह भी समझा गया है कि सस्टेनेबिलिटी थीम्ड बॉन्ड्स का भी एक मार्केट है जो हरित और सामाजिक प्रकल्पों के मेल का वित्त पोषण करता है, जिसमें सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (''एसडीजी'') जो जुडे प्रकल्प भी शामिल हैं. कुछ मामलों में, ऐसे बॉन्ड्स को उन संस्थानों द्वारा जारी किया जाता है जो स्थायी गतिविधियों में प्रमुखता से या पूर्णता लगे हैं, लेकिन उनके बॉन्ड्स एसबीपी के चार मुख्य घटकों से समन्वित नहीं हैं. ऐसे मामलों में, निवेशकों को इसके अनुसार सूचित किए जाने की जरूरत है और सस्टेनेबिलिटी बॉन्ड या एसडीजी रेफरेंस द्वारा प्रस्तुत एसबीपी (या जीबीपी) की खूबियों का अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए. जहाँ भी संभव हो इन जारीकर्ता संस्थानों को ऐसी मौजूदा सस्टेनेबिलिटी, एसडीजी या अन्य थीम्ड बॉन्ड्स के लिए एसबीपी (उदा. रिपोर्टिंग के लिए) की संबंधित श्रेष्ठ पद्धति को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, और एसबीपी और जीबीपी के साथ भावी मामलों को समेकित करने के लिए बढावा दिया जाता है.

सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) के लिए जीबीपी और एसबीपी की मैपिंग उपलब्ध है और इसका लक्ष्य है संदर्भ की व्यापक रूपरेखा प्रदान करना जिसके द्वारा जारीकर्ता, निवेशक और बॉन्ड मार्केट के प्रतिभागी किसी दिए गए हरित, सामाजिक या सस्टेनेबिलिटी बॉन्ड/बॉन्ड प्रोग्राम के फायनांसिंग के उद्देश्यों का मूल्यांकन करते हैं. इसे आईसीएमए वेबसाइट (https://www.icmagroup.org/green-social-and-sustainability-bonds/).
पर देखा जा सकता है.